पी.सी.ओ. 01

स्नातक प्रारंभिक कार्यक्रम
(बी.पी.पी.)

सत्रीय कार्य
2010-11

पी.सी.ओ. 01 : वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम

प्रबंध अध्ययन विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

पी.सी.ओ. 01 : वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम

सत्रीय कार्य 2010–11

प्रिय छात्र/छात्राओ,

जैसा कि कार्यक्रम दर्शिका में स्पष्ट किया गया है, इस पाठ्यक्रम में आपको एक सत्रीय कार्य करना है। यह सत्रीय कार्य आपको भेजा जा रहा है।

अंतिम परीक्षा में सत्रीय कार्यों के लिए 30% अंक निर्धारित हैं। सत्रांत परीक्षा में बैठने योग्य होने के लिए यह आवश्यक है कि समय सूची के अनुसार आप इस सत्रीय कार्य को पूरा करके भेज दें। सत्रीय कार्य को करने से पहले आपको चाहिए कि कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों को ध्यान पूर्वक पढ़ लें, जिसे आपके पास अलग से भेजा गया है।

यह सत्रीय कार्य दो प्रवेश सत्र अर्थात (जनवरी, 2010 और जुलाई 2010) के लिए वैध है, इसकी वैधता निम्नलिखित है :

1. जो **जनवरी 2010** में पंजीकृत हैं उनकी वैधता **दिसंबर 2010** तक है।
2. जो **जुलाई 2010** में पंजीकृत हैं उनकी वैधता **जून 2011** है।

यदि आप जून सत्रांत परीक्षा में बैठना चाहते हैं तो आपके लिए आवश्यक है कि आप इसे **30 अप्रैल** तक **अध्ययन केन्द्र के संयोजक** के पास जमा कर दें। यदि आप **दिसम्बर सत्रांत परीक्षा** में बैठना चाहते हैं तो इन्हें **31 अक्टूबर** तक अवश्य जमा कर दें।

नोटः यदि आपको अध्ययन सामग्री और सत्रीय कार्य देर से मिलते हैं तो आप सामग्री मिलने के बाद एक मास तक सत्रीय कार्यों के उत्तर को जमा कर सकते हैं।

पी.सी.ओ. 01 : वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम का कोड	:	**पी.सी.ओ. 01**
पाठ्यक्रम का शीर्षक	:	**वाणिज्य में प्रारंभिक पाठ्यक्रम**
सत्रीय कार्य का कोड़	:	**पी.सी.ओ. 01 /टी.एम.ए./2010–11**
खण्ड की संख्या	:	**सभी खंड**

अधिकतम अंक 100

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. खाते कितने प्रकार के होते हैं? तीनों प्रकार के खातों को डेबिट तथा क्रेडिट करने के नियम बताइए। दोहरा लेखा प्रणाली की लोकप्रियता के कारणों का वर्णन कीजिए। (20)

2. निम्नलिखित लेनदेनों का रोकड़ तथा बैंक खातों वाली रोकड़ बही में किस प्रकार लेखा किया जाएगा?
   i) बैंक में रोकड़ जमा करना
   ii) बैंक से कार्यालय प्रयोग के लिए रुपया निकालना
   iii) अन्य पक्षकारों से प्राप्त चैकों को बैंक में जमा कराना
   iv) बैंक में जमा कराए गए चैकों का अनादरण (4×5)

3. बैंक समाधान विवरण बनाते समय रोकड़ बही में बैंक अधिविकर्ष शेष की अवस्था में क्या निम्न मदों को जोड़ा जाएगा या घटाया जाएगा :
   i) जमा किए गए चैकों का अनादरण
   ii) चैक लिखे (drawn) परन्तु उनका भुगतान नहीं हुआ
   iii) अधिविकर्ष पर ब्याज
   iv) ग्राहक द्वारा प्रत्यक्ष रूप से बैंक में नकद राषि जमा करवाना (4×5)

4. "तलपट खातों की शुद्धता का शत–प्रतिषत प्रमाण नहीं है।" इस कथन की व्याख्या कीजिए और उन अषुद्धियों का वर्णन कीजिए जो तलपट मिल जाने पर भी प्रकट नहीं होती हैं। (20)

5. निम्नलिखित तलपट से 31 दिसम्बर 2007 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए सीमा गारमेंटस की पुस्तकों में व्यापारिक एवं लाभ–हानि खाता और उसी दिन का चिट्ठा तैयार कीजिए :

	Dr. Rs.	Cr. Rs.
प्रारम्भिक रहतिया	15000	
क्रय और विक्रय	109000	180000
निर्माणी मजदूरी	8000	
ईंधन, शक्ति व बिजली	12000	
वेतन	11000	
आयकर	5500	
एक्स को ऋण	5000	
एक्स के ऋण पर ब्याज		300
प्रषिक्षार्थी प्रीमियम		4500
किराया	4000	
अदत्त किराया		600
फर्नीचर (1 जुलाई को खरीदा गया 1000 रु. का फर्नीचर शामिल करते हुए)	5000	
प्राप्य बिल और देय बिल	6000	1600
प्लांट	72000	
देनदार व लेनदार	28000	13000
पूंजी		100000
रोकड़	19500	
	300000	300000

सूचनाएं :

1. अंतिम रहतिया 30000 रु. का था।
2. 28 दिसम्बर को 5000 रु. का माल विक्रय किया गया परन्तु पुस्तकों में इसकी प्रविष्टि नहीं की गई।
3. 7000 रु. का माल क्रय किया गया तथा स्टॉक में भी शामिल कर लिया गया परन्तु क्रय की कोई प्रविष्टि नहीं की गई।
4. देनदारों पर 2% की छूट का आयोजन बनाइए।
5. 1 जनवरी, 2007 को प्रषिक्षार्थी प्रीमियम तीन वर्ष के लिए प्राप्त किया।
6. फर्नीचर पर 10% वार्षिक ह्रास लगाइए।
7. दिसम्बर, 2007 माह का वेतन अदत्त है। ; (20)